Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3168

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-1011

## M.A. (Part - I) (Semester - I)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 1 : सामान्यस्तर :– प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

## (अमीर खुसरो और जायसी)

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तकें :– *1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य*
*संपादक :– डॉ. भोलानाथ तिवारी*
*2) पद्मावत :– मलिक मुहम्मद जायसी*
*संपादक :– वासुदेवशरण अग्रवाल*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* 'अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता भरी है' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'मुकरी' का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए अमीर खुसरो की मुकरियों की विशेषताएँ लिखिए ।

*प्रश्न 2)* 'पद्मावत' में लौकिक प्रेम के द्वारा अलौकिक प्रेम की व्यंजना हुई है'' कथन को सिद्ध कीजिए ।

अथवा

'पद्मावत' की भाषा तथा अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 3)* अमीर खुसरो के काव्य की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

जायसी के विरहवर्णन की विशेषताएं लिखिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये ।

क) अमीर खुसरो के काव्य में प्रयुक्त दो सखुनें;

ख) अमीर खुसरो की पहेलियों की विशेषताएँ;

ग) 'पदमावत' में कवि जायसी की अनूठी काल्पनीक दृष्टि;

घ) 'पदमावत' मे गोराबादल की भूमिका ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

च) भाँति भाँति की देखी नारी,
नीर भरी है गोरी काली ।
ऊपर बसे और जग धावे,
रच्छा करे जब नीर बहावे ।।

अथवा

बाला था जब सबको भाया ।
बढ़ा हुआ कुछ काम न आया ।।
खुसरो कहदिया उसका नॉव ।
अर्थ करो नहिं छोड़ो गॉव ।।

छ) सखि एक तेइँ खेल न जाना । चित अचेत भइ हार गवॉवा ।।
कॅवल डार गहि भै बेकरारा । कासौ पुकारौ आपन हारा ।।
कत खेलै आइउँ एहि साथा । हार गॅवाई चलिउँ सैं हाथा ।।
घर पैठत पूछब एहि हारू । कौन उतर पाउबि पैसारू ।।
नैन सीप ऑसुन्ह तस भरे । जानहु मोति गिरहिं सब ढरे ।।

अथवा

भई पूछारि लीन्ह बनवासू । बैरिन सवति दीन्ह चिल्हवासू ।।
कै खर बान कसै पिय लागा । जौ घर आवै अवहूँ कागा ।।
हारिल भई पंथ मैं सेवा । अब तहँ पठवौं कौनु परेवा ।।
धौरी पंडुक कहु पिय ठाऊँ । जौ चित्त रोख न दोसर नाऊँ ।।
जाहि बया गहि पिय कँठलवा । करे मेराउ सोइ गौरवा ।।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

**P3169**

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-1012

## M.A. (Part - I) (Semester - I)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 2 : विशेष स्तर

## आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास और कहानी)

## (2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *1) कलि – कथा : वाया बाइपास – अलका सरावगी*

*2) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ – संपा. डॉ. सुरेश बाबर डॉ. विठ्ठलसिंह ठाकरे*

समय : *3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* 'मुंबई कांड' कहानी में चित्रित दलित चेतना को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'कहानी तत्वों के आधारपर' 'पुरस्कार' कहानी का विवेचन कीजिए ।

*प्रश्न 2)* 'कलि–कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के उद्देश्य को लिखिए ।

अथवा

उपन्यास में चित्रित 'शांतनु' के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 3)* 'आधुनिक हिंदी कहानी नारी चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति है' पठित कहानियों के आधारपर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'कलि–कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) 'सजा' कहानी के शीर्षक की सार्थकता;

ख) 'रिमाइण्डर' कहानी की संवाद-योजना;

ग) किशोर बाबू का चरित्र-चित्रण;

घ) 'कलि-कथा : वाया बाइपास' उपन्यास का देश काल, वातावरण ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''माँ ! तू तो ठीक भारत माता - सी लगती है । तू बूढी, वह बूढी । उसका उजला हिमालय है, तेरे केश । हाँ, नकशे से साषित करता हूँ ..... तू भारत-माता है ।''

अथवा

''आप ही की फर्म की दवाएँ बेच-बेचकर मेरी रोजी-रोटी चलती है । आप ही की दवाओं ने लाखों के प्राण बचाएँ होंगे और ऐसा क्या हो गया कि आपके पापा यानी इस महान जीवनदायी जीवन -ज्योति कम्पनी के मालिक की जान नहीं बच पा रही है?''

ख) ''ये लोग क्या जान सकते हैं हमारी विरासत को, हमारे अपनेपन को-ये लोग तो सिर्फ दुश्मन पहचानते हैं, अमोलक ।''

अथवा

''क्या कह रहे हो तुम, किशोर ! हजारों साल की इस गहरी नींद से अब तो उठो । हिंदूस्तान की महाजाति के अब जागने का समय है, दोस्त-भूत-प्रेत हनुमान-पीर-फकीर आदि सब बातें छोड दो । इन्होंने हमें बहुत धोखा दिया है । अब हमें सबसे मुक्त होना है ।''

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3170

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-1013

## M.A. (Part - I) (Semester - I)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 3 : विशेष स्तर

## भारतीय साहित्यशास्त्र

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* भरतमूनि के रससूत्र को लिखते हुए रस निष्पत्ति का विवेचन कीजिए ।

अथवा

साधारणीकरण की अवधारणा विशद कीजिए ।

*प्रश्न 2)* अलंकार सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रीति शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए रीति के भेदों का विवेचन कीजिए ।

*प्रश्न 3)* आ. कुंतक पूर्व आचार्यो के वक्रोक्ति विषयक विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

वक्रोक्ति के भेदों को विशद कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) ध्वनि और स्फोट सिद्धान्त स्पष्ट कीजिए ।

ख) ध्वनि के भेदों का परिचय दीजिए ।

ग) ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद विशद कीजिए ।

घ) ध्वनि सिद्धान्त का महत्व बताइए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) रस का स्वरूप;

ख) रीति सिध्दान्त;

ग) अलंकार और अलंकार्य;

घ) औचित्य के भेद ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3171

[Total No. of Pages : 8

# [5102]-1014

## M.A. (Part - I) (Semester - I)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर : (वैकल्पिक)

## अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

## (2013 Pattern) (Credit System) (Optional - I)

महत्वपूर्ण सूचना :– *निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*अ) विशेष साहित्यकार : कबीर*

*आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास*

*इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा*

*ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'*

पाठ्यपुस्तक :– *कबीर ग्रंथावली*

*संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1)* *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2)* *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* 'कबीर काव्य हिंदू–मुस्लिम एकता का प्रतीक है' सोदाहरण समझाइए ।

अथवा

कबीर की भक्ति भावना विशद कीजिए ।

*प्रश्न 2)* कबीर के दार्शनिक विचार लिखिए ।

अथवा

निर्गुण संत परंपरा में कबीर का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 3)* निर्गुण भक्ति शाखा का स्वरूप समझाइए ।

अथवा

'कबीर के विचार आज भी प्रासंगिक है' कथन की समीक्षा कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) कबीर की समन्वय भावना स्पष्ट कीजिए ।

ख) कबीर की रहस्यानुभूति समझाइए ।

ग) कबीर के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए ।

घ) कबीर के धर्म संबंधी विचार लिखिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित उद्धरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) इस तन का दीवा करौं, बाती मेलूँ जीव ।

लोही सींचौ तेल ज्यूँ, कब मुख देखौं पीव ।।

अथवा

धरती गगन पवन नहीं होता, नहीं तोया नहीं तारा ।

तब हरि हरि के जन होते, कहै कबीर बिचारा ।।

ख) मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा ।

तेरा तुझको सौंपता, क्या लागै है मेरा ।।

अथवा

गुरू गोविंद तौ एक है, दूजा यह आकार ।

आपा मेट जीवन मरै, तो पावै करतार ।।

▽▽▽▽

**Total No. of Questions : 5]**

**P3171**

# [5102]-1014

## M.A. (Part - I) (Semester - I)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर : (वैकल्पिक)

## (2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - II)

महत्वपूर्ण सूचना :– *निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

### आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

पाठ्यपुस्तकें :– *i) श्रीरामचरितमानस :– अयोध्याकांड*

*ii) विनयपत्रिका :– संपादक वियोगी हरि*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* तुलसीदास की भक्तिभावना को रामचरितमानस के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

श्रीरामचरितमानस की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 2)* विनयपत्रिका में समन्वय का भाव हैं, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

विनयपत्रिका में गीतितत्वों का निर्वाह किस प्रकार हुआ है? सोदाहरण विशद कीजिए ।

*प्रश्न 3)* महाकाव्य के तत्वों के आधार पर रामचरितमानस की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

विनयपत्रिका में व्यक्त भक्तिभाव को उजागर कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) तुलसीदास के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए ।

ख) तुलसीदास के दार्शनिक विचारों को लिखिए ।

ग) विनयपत्रिका का हेतु बताइए ।

घ) विनयपत्रिका द्वारा तुलसीदास ने मन को उद्बोधन किस प्रकार किया है?

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) राम जननि जब आइहि धाई । सुमिरि बच्छु जिमि धेनु लवाई ।।
पूँछत उतरू देब मैं तेही । गे बनु राम लखनु बैदेही ।।
जोइ पूँछिहि तेहि उतरू देबा । जाइ अवघ अब यहु सुखु लेबा ।।
पूँछिहि जबहिं राऊ दुख दीना । जिवनु जासु रघुनाथ अधीना ।।
देहऊँ उतरू कौनु मुहु लाई । आयऊँ कुसुल कुअँर पहुँचाई ।।
सुनत लखन सिय राम सँदेसू । तृन जिमि तनु परिहरिहि नरेसू ।।

अथवा

सरल सुभाय मायँ हियँ लाए । अति हित मनहुँ राम फिरि आए ।।
भेंटेउ बहुरि लखन लघु भाई । सोकु सनेहु न हृदयँ समाई ।।
देखि सुभाउ कहत सबु कोई । राम मातु अस काहे न होई ।।
माताँ भरतु गोद बैठारे । आँसु पोंछि मृदु बचन उचारे ।।
अजहुँ बच्छ बलि धीरज धरहू । कुसमउ समुझि सोक परिहरहू ।।
जनि मानहु हियँ हानि गलानी । काल करम गति अघटित जानी ।।

ख) काहे को फिरत मूढ मन धायो ।
तजि हरिचरन–सरोज–सुधा रस, रविकर–जल लय लायो ।।
त्रिजग, देव, नर, असुर अपार जग जोनि सकल भ्रमि आयो ।
गृह, बनिता, सुत, बन्धु भये बहु, मातु–पिता जिन्ह जायो ।।

अथवा

मूढ मन बहुत विगोयो ।
याके लिये सुनहू करूनामय, मैं जग जनमि–जनमि दुख रोयो।।
सीतल मधुर पियुष सहज सुख निकटहिं रहत, दूर जनु खोयो ।
बहु भाँतिन स्त्रम करत मोह बस, बृथहिं मंदमति वारि बिलोयो ।।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

**P3171**

# [5102]-1014

## M.A. (Part - I) (Semester - I)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर : (वैकल्पिक)

## (2013 Pattern) (Credit System)

## इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

पाठ्यपुस्तकें :– *i) सेतुबंध*
*ii) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक*
*iii) आठवाँ सर्ग*
*iv) रति का कंगन ।*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* हिंदी नाट्य परंपरा में सुरेंद्र वर्मा का योगदान विशद कीजिए ।

अथवा

सुरेंद्र वर्मा का व्यक्तित्व और कृतित्व लिखिए ।

*प्रश्न 2)* नाट्य कला की दृष्टि से 'आठवाँ सर्ग' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'सेतुबंध' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 3)* 'रति का कंगन' नाटक का उद्देश्य लिखिए ।

अथवा

प्रयोगधर्मी नाटकों की परंपरा पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) सुरेंद्र वर्मा की नाट्य भाषा स्पष्ट कीजिए ।

ख) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक का उद्देश्य लिखिये ।

ग) नाटक में संवाद तत्व का महत्व विशद कीजिए ।

घ) भारतीय रंगमंच की परंपरा पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित उद्धरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) कुछ व्यक्ति ऐसे भी होते हैं, जिनके बाहरी रूप से मालूम नहीं पड़ता कि उनके अंदर कैसा रक्तपात है ।

अथवा

महाराज ! स्वयं को भुलावे में मत डालिए ... सच्चाई का साक्षात्कार जितनी जल्दी कर लिया जाए, अपने आपको संभालने में उतनी ही आसानी रहती है ।

ख) जीवन के एक मोड़ पर सत्ता की सहायता की आवश्यकता थी ..... अब नहीं है । ..अब? अगर शासन मेरी रचना पर यहाँ रोक लगायेगा, तो वह दुसरे राज्य में सप्तम सुर में सुनी जायेगी ।

अथवा

हर व्यक्ति विचार, योजना क्रिया और प्रतिक्रिया के सोपानों से निकलता है । हर कर्म के पीछे विचार होता है और हर व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके विचारपुंज से निर्धारित होता है ।

▽▽▽▽

**Total No. of Questions : 5]**

**P3171**

# [5102]-1014

## M.A. (Part - I) (Semester - I)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर : (वैकल्पिक)

## (2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - IV)

महत्वपूर्ण सूचना :– *निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

## ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

पाठ्यपुस्तकें :– *i) कुरूक्षेत्र*
*ii) उर्वशी*
*iii) हुंकार*
*iv) बापू*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* 'कुरूक्षेत्र' काव्य के प्रबन्ध की एकता उसमें वर्णित विचारों को लेकर है । कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'उर्वशी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

*प्रश्न 2)* 'हुंकार' काव्य के आधार पर दिनकर की देशभक्ति को उजागर कीजिए ।

अथवा

बापू काव्य की अनुभूति पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 3)* दिनकर के प्रबंध काव्यों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

दिनकर ने अपने काव्य में आस्था एवं विश्वास को किस प्रकार उद्घाटित किया हैं?

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) कवि दिनकर जी के राष्ट्रीय प्रेम को अभिव्यक्त कीजिए ।

ख) उर्वशी काव्य के आधार पर पुरूरवा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ग) 'स्वर्ग-दहन' कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

घ) बापू काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''धर्मराज, क्या यती भागता
कभी गेह या वन से?
सदा भागता फिरता है वह
एक मात्र जीवन से ।''

अथवा

भरत-शाप जितना भी कटु था, अब तक वह वर ही था;
उसका दाहक रूप सुकन्ये ! अब आरंभ हुआ है ।

ख) ''जिस युग में, जिस देश, जाति या कुल में,
वर्तमान में या भविष्य-गहार में,
पुरूष विक्रमी हो वह जहाँ कहीं भी,
है नमस्य मेरा वह शीश-मुकुट-सा ।''

अथवा

अब नहीं मिलेगी कहीं, नयन !
दर्शन की व्यर्थ न आस करो,
बापू ! सचमुच ही चले गये,
भोली श्रुतियों ! विश्वास करो ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3172

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-2011

## M.A. (Part - I) (Semester - II)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 5 : सामान्यस्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य

## (सूरदास, बिहारी तथा भूषण)

## (2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *1) सूरदास :– भ्रमरगीत सार–संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल*
*2) बिहारी रत्नाकर :– श्री जगन्नाथ 'रत्नाकर'*
*3) रीतिकाव्यधारा :–संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी/डॉ. रामफेर त्रिपाठी*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* 'भ्रमरगीत' का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए सूर के भ्रमरगीत की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

सूर की गोपियों की वचनवक्रता को सोदाहरण समझाइए ।

*प्रश्न 2)* सतसई परम्परा का उल्लेख करते हुए उसमें बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए ।

अथवा

बिहारी के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 3)* ''भूषण के काव्य में युग चेतना मुखरित हुई है''– सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भूषणकालीन राजनीतिक तथा सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) सूर के वियोग वर्णन की विशेषताएँ लिखिए ।

ख) बिहारी की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए ।

ग) भूषण काव्य की भाषागत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

घ) बिहारी की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''काहे को गोपीनाथ कहावत ?
जो पै मधुकर कहत हमारे गोकुल काहे न आवत ?
सपने की पहिचानि जानि कै हमहि कलंक लगावत ।
जो पै स्याम कूबरी–रीझे सो किन नाम धरावत ।।
ज्यों गजराज काज के औसर और दसन दिखावत ।
कहत सुनत को हम हैं ऊधो, सूर अनत बिरमावत ।।''

ख) ''बतरस–लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ ।
सौंह करैं भौंहनु हँसै, दैन कहै नटिजाइ ।।''

ग) मनिमय महल सिवराज के इमि रायगढ़ मैं राजहीं ।
लाखे जच्छ किन्तर असुर सुर गंधर्व हौं सनि साजहीं ।।
उतंग मरकत मंदिरन मधि बहु मृदंग जु बाजहीं ।
घन समै मानहुँ घुमरि करि घन घन पटल गल गाजहीं ।।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3173

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-2012

## M.A. (Part - I) (Semester - II)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 6 : विशेषस्तर

## आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध

## (2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *1) नाटक 'अभंग–गाथा' : डॉ. नरेंद्र मोहन*

*2) निबंधमाला. संपा : डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* नरेंद्र मोहन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके नाटकों का सामान्य परिचय दीजिए ।

अथवा

'अभंग गाथा' नाटक के तुकाराम का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

*प्रश्न 2)* हिंदी निबंध विधा के विकास पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'संस्कृति है क्या?' निबंध की विशेषताओं को अपने शब्दों में लिखिए ।

*प्रश्न 3)* 'अभंग गाथा' नाटक की संवाद योजना को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'ताज' निबंध का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'अभंग गाथा' नाटक की जिजाई ।

ख) 'अभंग गाथा' नाटक की अभिनेयता ।

ग) 'बुध्दिजीवी' निबंध की भाषाशैली ।

घ) 'पुस्तकालय : सन्त–मिलन का उत्तम मार्ग' निबंध का संदेश ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''यह तो तुका के अक्षर हैं – वही शब्द–वही संदेश ..... प्रेम का ढाई आखर मेरा पीछा नहीं छोड़ रहा। मेरी मर्जी के खिलाफ मेरे हृदय में दाखिल होता जा रहा है ।''

अथवा

''लोगों को कितना जानते हो, रामेश्वर भट्ट ! टूटा हुआ छंद है जिनकी जिंदगी, बेमेल हो चुकी है जिनकी लय–ताल, बेहद दयनीय और धारहीन बनाकर जिन्हें समाज से बाहर धकेल दिया गया है, अभंग उनकी जिंदगी जैसा है ।

ख) ''उत्साह वास्तव में कर्म और फल की मिली–जुली अनुभूति है, जिसकी प्रेरणा से तत्परता आती है ।''

अथवा

''पानी से जुड़ा आदमी का धरम–करम है । पानी से जुड़ा ईमान है । पानी से जुड़ा मन है । तन है । पानी से जुड़ा संस्कार है । पानी से जुड़ा मान–सम्मान है ।''

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3174

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-2013

## M.A. (Part - I) (Semester - II)

## (HINDI) हिंदी

## प्रश्नपत्र – 7 : विशेष स्तर

## पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

## (2013 Pattern) (Credit System)

*वेळ : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* अनुकरण सिध्दान्त की व्याख्या कर प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना कीजिए ।

अथवा

उदात्त की व्याख्या एवं तत्व बताकर काव्य में उदात्त का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 2)* विरेचन सिद्धांत का स्वरूप एवं महत्त्व बताकर त्रासदी का विवेचन कीजिए ।

अथवा

आई. ए. रिचर्डस् का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत का विवेचन कीजिए ।

*प्रश्न 3)* आलोचना किसे कहते है? आलोचना की चार प्रणालियाँ लिखिए ।

अथवा

इलियट की निर्वेयक्तिकता एवं वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता विषयक अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) अस्तित्ववाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

ख) तुलनात्मक आलोचना प्रणाली का परिचय दीजिए ।

ग) प्रतीकवाद की विशेषताएँ लिखिए ।

घ) मार्क्सवादी आलोचना प्रणाली का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) प्लेटो का काव्य सिद्धांत ।

ख) यथार्थवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

ग) संप्रेषण सिद्धांत का महत्त्व ।

घ) बिंबवाद को स्पष्ट कीजिए ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3175

[Total No. of Pages : 8

# [5102]-2014

## M.A. (Part - I) (Semester - II)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक – विशेष विद्या तथा अन्य

## क) हिंदी उपन्यास

## (2013 Pattern) (Optional Paper)

महत्वपूर्ण सूचना :– *निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

*क) हिंदी उपन्यास*

*ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास*

*ग) प्रयोजनमूलक हिंदी*

*घ) हिंदी दलित साहित्य*

पाठ्यपुस्तकें :– *1) चित्रलेखा : भगवतीचरण वर्मा*

*2) गोदान : प्रेमचंद*

*3) अलग–अलग वैतरणी : शिवप्रसाद सिंह*

*4) परिशिष्ट : गिरिराज किशोर*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* 'पाप केवल सोचने वाले की सोच पर निर्भर करता है' – इस कथन का विवेचन 'चित्रलेखा' उपन्यास के आधार पर कीजिए ।

अथवा

'गोदान' उपन्यास ग्राम जीवन और कृषि संस्कृति को प्रस्तुत करता है'– इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 2)* ग्रामीण जीवन में हो रही नये – पुराने मूल्यों की टकराहट को 'अलग–अलग वैतरणी' उपन्यास के माध्यम से स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'परिशिष्ट' उपन्यास के आधार पर सामाजिक संघर्ष को स्पष्ट कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 3)* उपन्यास विधा की विविध शैलियों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

हिंदी उपन्यासों की विविध प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए राजनीतिक और जीवनपरक प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'चित्रलेखा' उपन्यास के पात्र;

ख) 'गोदान' का सामाजिक प्रश्न;

ग) 'परिशिष्ट' उपन्यास के संवाद;

घ) 'अलग-अलग वैतरणी' का ग्रामीण जीवन ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''श्वेतांक अवसन्न रह गया । चित्रलेखा का यह कैसा भाव-परिवर्तन था, यह वह समझ न सका ।''

अथवा

''यह तुमने लाख रूपये की बात कह दी भाई । बस सज्जन वही, जो दूसरों की आबरू को अपनी आबरू समझे ।''

ख) जैपाल सिंह ने हाथ का संकेत करके बहू को चुप किया । मुस्कराते हुए बोले – ''मुझे बहुत दु:ख है बहू ! मैं तो तुझे भवानी का प्रसाद मानता था बेटी । सोचता था दु:ख, शोक, भय से तू कभी न घबड़ायेगी ।.....''

अथवा

चौधरी साहब ने हँसकर कहा, ''कह तो आप ठीक रहे हैं । ..... मैं पब्लिक का आदमी हूँ ..... पब्लिक की तकलीफ सो मेरी तकलीफ । इसलिए आप निश्चिन्त रहें , मैं आज ही गृहमंत्रीजी से बात करूँगा ।''

▽▽▽▽

**Total No. of Questions : 5]**

**P3175**

# [5102]-2014

## M.A. (Part - I) (Semester - II)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

## ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

## (2013 Pattern) (Credit System) (Optional)

पाठ्यपुस्तकें :–
1) *मेरी जीवन यात्रा, भाग 2 : राहुल सांस्कृत्यायन*
2) *एक बूँद सहसा उछली : सच्चिदानन्द वात्स्यायन*
3) *चीड़ो पर चाँदनी : निर्मल वर्मा*
4) *सूर्य मन्दिरों की खोज में : श्यामसिंह शशि*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* यात्रा साहित्य की परिभाषाएँ देते हुए उसके क्षेत्रों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर यात्रा साहित्य का परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 2)* 'मेरी जीवन यात्रा, भाग –2' की भाषा का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

'एक बूँद सहसा उछली' का अपने शब्दों में विवेचन कीजिए ।

*प्रश्न 3)* 'चीड़ो पर चाँदनी' में चित्रित आधुनिकता को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'सूर्य मंदिरों की खोज में' का विवेचन अपने शब्दों में कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) यात्रा साहित्य और लेखकीय अनुभव;

ख) 'चीड़ो पर चाँदनी' का वातावरण;

ग) 'मेरी जीवन यात्रा, भाग 2 ' और समाज;

घ) 'एक बूँद सहसा उछली' की विशेषताएँ ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''यह नेपाल से तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता है । फरी कलिङ्पोड़ का रास्ता जब नहीं खुला था, तो नेपाल ही नहीं हिन्दुस्तान की भी चीजें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती थी ।''

अथवा

''बर्लिन का भविष्य क्या होगा, मैं नहीं जानता, किन्तु ये तीन शब्द 'फासिज्म, नेवर अगेन' बर्लिन की दीवारों पर देख सका, मेरे लिए यही बहुत-कुछ है ।''

ख) ''विश्व के सूर्यवंशी राजाओं ने सूर्य के नाम पर अपने उपनिवेश स्थापित किये थे । सूर्य -पूजा विश्व के अनेक भागों में उत्तरोत्तर बढ़ती रही ।''

अथवा

''मैंने ऊपर कहा कि स्वीडन संसार का सबसे अधिक समाजवादी देश है - कि समाजवाद के आदर्शों का व्यावहारिक रूप वहीं सबसे अधिक देखा जाता है ।''

▽▽▽▽

**Total No. of Questions : 5]**

**P3175**

# [5102]-2014

## M.A. (Part - I) (Semester - II)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक – विशेष विद्या तथा अन्य

# ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

## (2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

*समय : 3 घंटे]* *[ पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों को समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा एवं स्वरूप को विशद कीजिए ।

अथवा

राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधान पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 2)* विज्ञापन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए महत्व को समझाइए ।

अथवा

अनुवाद के प्रकारों का उल्लेख करते हुए विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 3)* कम्प्यूटर का विविध क्षेत्रों में का योगदान विशद कीजिए ।

अथवा

रेडियों नाट्य लेखन का परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) हिंदी भाषा और उनके प्रयोजनमूलक रूप स्पष्ट कीजिए ।

ख) कार्यालयीन हिंदी के प्रमुख प्रकार लिखिए ।

ग) समाचार पत्र के लिए लेखन के प्रकार विशद कीजिए ।

घ) लेखन के मूलभूत सिद्धान्त लिखिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) वेब पब्लिशिंग की विशेषताएँ;

ख) व्यावहारिक प्रूफ शोधन;

ग) संवाद लेखन;

घ) वृत्तचित्र लेखन ।

▽▽▽▽

**Total No. of Questions : 5]**

**P3175**

# [5102]-2014

## M.A. (Part - I) (Semester - II)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

## घ) हिंदी दलित साहित्य

## (2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper)

पाठ्यपुस्तकें :– *1) जस–तस भई सबेर–सत्यप्रकाश*
*2) जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि*
*3) श्रेष्ठ दलित कहानियाँ – संपा – मुद्राराक्षस*
*4) गूँगा नहीं था मैं – जयप्रकाश कर्दम*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* दलितेत्तर साहित्य और दलित साहित्य का विवेचन कीजिए ।

अथवा

दलित विमर्श की परिभाषा स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 2)* 'जस–तस–भई सबेर' उपन्यास की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'जूठन' जातिगत संघर्ष और दलित समाज के संघर्ष की आत्मकथा है''– स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 3)* ''नई सदी की पहचान:श्रेष्ठ दलित कहानियाँ'' संकलन की कहानियों में देशकालवातावरण को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'गूँगा नहीं था मैं' में चित्रित भारतीय समाज पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) दलित साहित्य और निग्रो ।

ख) 'जस–तस भई सबेर' उपन्यास की भाषा ।

ग) 'गूँगा नहीं था मैं' की प्रासंगिकता ।

घ) दलित साहित्य और भारतीय समाज ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''अरे हंसा, मुर्ख मत बनो । दिमाग से काम लो, पुजा–पाठ में कुछ नहीं रखा । इससे पुजारियों, भगतों और शोषकों को छोड़कर और किसी व्यक्ति को कोई लाभ आज तक नहीं हुआ है और न कभी होगा ।''

अथवा

''जब सब लोग खाना खाकर चले गए तो मेरी माँ ने सुखदेव सिंह त्यागी को दालान से बाहर आते देखकर कहा,'' चौधरी जी, ईब तो सब खाणा खा के चले गए ...म्हारे जाकतों (बच्चों) कू भी एक पत्तल पर धर के कूछ दे दो । वो बी तो इस दिन का इंतजार कर रे ते ।''

ख) ''देवी माँ की बड़ी कृपा है मुझ पर । जब भी संकट आता है, रोजगार मन्दा होता है, मैं माँ की प्रार्थना पूरी निष्ठा से करती हूँ । मुझे मनवांछित लाभ मिलता है । तुम इनको देखकर इतने विचलित क्यों हो गये । देवी सबकी देवी है । माँ सबकी माँ है । आशीर्वाद माँगो, प्रसाद पाओ । देवी माँ बहुत दिलवाली है ।''

अथवा

''जूतों की ठोंकरें

रौंदीं गई है उनकी लाश

गांव हो या शहर

यही रहा है सब जगह

दलितों का हाल ।''

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3176

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-3011

## M.A. (Semester - III)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 9 : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य –I

## (महाकाव्य तथा खण्डकाव्य)

## (2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *i) कामायनी – जयशंकर प्रसाद*
*ii) गोपा गौतम – डॉ. जगदीश गुप्त*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* कामायनी के महाकाव्यत्व को सोदाहरण समझाइए ।

अथवा

कामायनी के मनु की चरित्रगत विशेषताएँ लिखिए ।

*प्रश्न 2)* गोपा गौतम खंडकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

गोपा गौतम खंडकाव्य में व्यक्त आधुनिकताबोध को स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 3)* 'कामायनी की कथा में इतिहास और कल्पना का मिश्रण हुआ है' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

गोपा गौतम खंडकाव्य का उद्देश्य लिखिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए ।

क) कामायनी की श्रद्धा का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

ख) कामायनी की दार्शनिकता को समझाइए ।

ग) गोपा–गौतम में चित्रित गोपा का दु:ख ।

घ) गोपा गौतम की भाषागत विशेषताएँ ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छाँह एक पुरूष, भीगे नयनों से देख रहा था प्रलय प्रवाह । नीचे जल था उपर हिम था, एक तरल था एक सघन एक तत्व की ही प्रधानता–कहो उसे जड़ या चेतन ।''

अथवा

''ज्ञान दूर कूछ, क्रिया भिन्न है इच्छा क्यों पूरी हो मन की, एक दुसरे से न मिल सके यह विडंबना है जीवन की ।''

ख) ''नहीं गोपे ।

फिर से कुरेदो मत मेरी व्यथा ।

गोपन ही रहने दो उसकी कथा ।

अवसर ही कहाँ दिया तुमने उस बात का

बनते ही पिता, मुझे घर से निर्वासन दे दिया गया ।''

अथवा

''असंभाव्य संभाव्य हो गया !

मेरा सारा सत्व खो गया ।

यही सोचती हूँ, रह–रह कर,

क्या लौटेंगे बाण –

घनुष से छूट जो गया?''

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3177

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-3012

## M.A. (Semester - III)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 10 : विशेषस्तर – भाषा विज्ञान

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* भाषा विज्ञान की परिभाषा देकर भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय दीजिए ।

अथवा

भाषा विज्ञान परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके अभिलक्षण स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 2)* व्यंजन वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

स्वन विज्ञान की शाखाएँ कौन–कौन सी है? स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 3)* रूपिम की परिभाषा देकर उसके भेदों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

रूप विज्ञान के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में किजिए ।

क) वाक्य के भेद को स्पष्ट कीजिए ।

ख) अर्थ परिवर्तन के कारण विशद कीजिए ।

ग) शब्द और अर्थ के पारस्पारिक संबंध पर प्रकाश डालिए ।

घ) अर्थ विज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) मानक हिंदी का भाषावैज्ञानिक विवरण

ख) वाक्य विश्लेषण

ग) स्वनिम की विशेषताएँ

घ) अर्थ परिवर्तन के कारण

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3178

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-3013

## M.A. (Semester - III)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 11 : विशेष स्तर

## हिंदी साहित्य का इतिहास

## (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

## (2013 Pattern)

*वेळ : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* आदिकाल की पृष्ठभूमि विस्तार से समझाइए ।

अथवा

आदिकालीन आरंभिक गदय तथा लौकिक साहित्य का परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 2)* भक्ति आंदोलन का उदय तथा उसके अखिल भारतीय स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

सूफी काव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

*प्रश्न 3)* रीतिकाल की पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं का परिचय दीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) कवि विदयापति का परिचय दीजिए ।

ख) हिंदी भ्रमरगीत परंपरा का विवेचन कीजिए ।

ग) भक्तिकालीन नीति साहित्य के परिप्रेक्ष्य में कवि रहीम का परिचय दीजिए ।

घ) रीतिकालीन वीर रसप्रधान काव्य ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) आदिकालीन नाथ साहित्य ।

ख) मीराबाई ।

ग) हिंदी कृष्णकाव्य के विविध संप्रदाय ।

घ) कवि पद्माकर

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3179

[Total No. of Pages : 6

# [5102]-3014

## M.A. (Semester - III)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 12 : विशेषस्तर – वैकल्पिक

## अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* आलोचना स्वरूप को बताते हुए उसकी प्रक्रिया विशद कीजिए ।

अथवा

हिंदी आलोचना के क्षेत्र में आ. महावीरप्रसाद द्विवेदी जी के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 2)* हिंदी आलोचना में आ. रामचंद्र शुक्ल जी के महत्व को विशद कीजिए ।

अथवा

आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचनात्मक ग्रंथों का परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 3)* आलोचक की दृष्टी से डॉ. नगेंद्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना–पध्दति की मीमांसा कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) डॉ. नामवरसिंह की आलोचना ।

ख) समकालीन आलोचना का परिचय दीजिए ।

ग) 'विडम्बना' इस शीर्षक की सार्थकता सिध्द कीजिए ।

घ) 'अजनबीपन' की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) शुक्लोत्तर आलोचना ।

ख) आ. नंददुलारे वाजपेयी ।

ग) आलोचना का उद्देश्य ।

घ) विसंगति ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

P3179

# [5102]-3014

## M.A. (Semester - III)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 12 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

## आ) अनुवाद विज्ञान

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1)* *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2)* *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* अनुवाद की परिभाषा देकर उसके महत्व को विशद कीजिए ।

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया के आधार पर 'अनुवाद' की मीमांसा कीजिए ।

*प्रश्न 2)* अनुवाद के प्रकारों को विवेचित कीजिए ।

अथवा

भाषा विज्ञान के आधारपर अनुवाद की समीक्षा कीजिए ।

*प्रश्न 3)* वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

वाणिज्य और व्यापार क्षेत्र की सामग्री का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) गद्यानुवाद की समस्याएँ कौन–कौन सी हैं ।

ख) तकनीकी अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

ग) अनुवाद की समीक्षा कीजिए ।

घ) नाट्यानुवाद का सामान्य परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) अर्थहानी तथा अर्थांतरण ।

ख) काव्यानुवाद ।

ग) तकनीकी क्षेत्र के अनुवाद की आवश्यकता ।

घ) नाट्यानुवाद ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

**P3179**

# [5102]-3014

## M.A. (Semester - III)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 12 : विशेषस्तर – वैकल्पिक

## इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1)* *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2)* *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* जनसंचार माध्यमों के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इलेक्ट्रानिक अंतर्ग्रंथन का परिचय दीजिए ।

अथवा

वैश्विकरण की प्रक्रिया और जनसंचार पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 2)* जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूपों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

जनसंचार माध्यम और हिंदी साहित्य पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 3)* हिंदी पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

पत्रकारिता के मूल तत्वों का विवेचन कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) मुक्त प्रेस की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

ख) जनसंचार माध्यमों में साहित्य की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए ।

ग) सरस्वती पत्रिका के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

घ) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता का महत्व समझाइए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) जनसंचार माध्यमों का उद्देश्य ।

ख) भारतीय संविधान में प्रदत्त सूचनाधिकार ।

ग) पत्रकारिता का सामाजिक दायित्व ।

घ) अनुवर्तन ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3180

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-4011

## M.A. (Part - II) (Semester - IV)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 13 : सामान्य स्तर–आधुनिक काव्य - 2

## (विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)

## (2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *i) विशेष कवि कुँवर नारायण*
*संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीता बोर्वणकर*
*ii) नई कविता*
*संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार*

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* कुँवर नारायण की कविता में विचारपक्ष की प्रधानता है–स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कुँवर नारायण के काव्य में चित्रित आधुनिक–बोध को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 2)* 'लीलाधर जगूडी की कविता गरीबी और अमीरी को बाटना चाहती है' कथन को समझाइए ।

अथवा

लीलाधर जगूडी की कविता में चित्रित प्रमुख समस्याओं को विशद कीजिए ।

*प्रश्न 3)* उदय प्रकाश के काव्य की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

काल्यायनी के काव्य की प्रमुख विशेषताओं को विशद कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) नयी कविता की भावभूमिं को समझाइए ।

ख) कात्यायनी ने अपने काव्य में संघर्षरत महिला का यथार्थ चित्रण किया है । स्पष्ट कीजिए ।

ग) उदय प्रकाश की काव्य-भाषा ।

घ) उदय प्रकाश के काव्य का प्रमुख स्वर कौन-सा है? स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''बहूत कुछ दे सकती है कविता
क्योंकि बहुत कुछ हो सकती है कविता
जिन्दगी में
अमर हम जगह दे उसे
जैसे फूलों को जगह देते हैं पेड़ .....''

अथवा

''बार-बार उभरता है
एक डर
-परिवार को छोडेंगे
घर के भरोसे
लेकिन किसके भरोसे
लेकिन किसके भरोसे पर छोड़ेंगे घर?''

ख) ''आत्मा इतनी थकान के बाद
एक कप चाय माँगती है
पुण्य माँगता है पसीना और आँसू पोंछने के लिए एक
तौलिया
कर्म माँगता है रोटी और कैसी भी सब्जी .....''

अथवा

''मुझे बर्दास्त नहीं होता
देश को बेचकर
गुलछरें उड़ाना ..... ।
मुझे बर्दास्त नहीं होता
देशवासियों के दिल-दिमाग में
धर्मांधता का जहर फैलाना ..... ।''

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3181

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-4012

## M.A. (Part - II) (Semester - IV)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 14 : विशेष स्तर

## हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय देकर वैदिक संस्कृत की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

प्राकृत के क्षेत्रीय भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 2)* आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण करते हुए हार्नले द्वारा किए गए वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 3)* हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए खडीबोली की व्याकरणिक विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

अथवा

पूर्वी हिंदी एवं पश्चिमी हिंदी का तुलनात्मक विवेचन कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।

क) हिंदी के शब्द–निर्माण में उपसर्ग के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

ख) हिंदी के अव्ययों का विकास स्पष्ट कीजिए ।

ग) हिंदी में कारक की व्यवस्था सोदाहरण समझाइए ।

घ) लिंग की दृष्टि से हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) लिपि का उद्‌भव एवं विकास ।

ख) ब्राह्‌मी लिपि ।

ग) राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति ।

घ) हिंदी भाषा के प्रसार में लोकमान्य तिलक का योगदान ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3182

[Total No. of Pages : 2

# [5102]-4013

## M.A. (Part - II) (Semester - IV)

## HINDI (हिंदी)

## प्रश्नपत्र – 15 : विशेष स्तर

## हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* हिंदी कहानी साहित्य का विकासात्मक परिचय दीजिए ।

अथवा

प्रेमचंदपूर्व युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासों की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 2)* हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकास में नाटककार मोहन राकेश की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

हिंदी निबंध साहित्य का विकासक्रम लिखिए ।

*प्रश्न 3)* छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए ।

अथवा

समकालीन कविता भाव और शिल्प की दृष्टि से नई कविता से भिन्न है । कथन को स्पष्ट कीजिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) हिंदी यात्रा साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।

ख) हिंदी नाटक के उद्‌भव और विकास में भारतेंदु हरिश्चंद्र की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

ग) द्‌विवेदीयुगीन हिंदी कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ लिखिए ।

घ) प्रयोगवादी कविता की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) हिंदी एकांकी साहित्य ।

ख) उपन्यासकार–प्रेमचंद ।

ग) प्रगतिवादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

घ) कवि–कात्यायनी ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P3183

[Total No. of Pages : 6

# [5102]-4014

## M.A. (Part - II) (Semester - IV)

## (HINDI) हिंदी

## प्रश्नपत्र – 16 : विशेषस्तर – वैकल्पिक

## क) भारतीय साहित्य

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[पूर्णांक : 50*

*सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* भारतीय साहित्य के अध्ययन में आनेवाली समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय मूल्यों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 2)* '' 'बारोमास' उपन्यास का एकनाथ भारतीय किसान का प्रतिनिधित्व करनेवाला पात्र हैं''– सोदाहरण लिखिए ।

अथवा

हिंदी में अनूदित साहित्य की विशेषताओं के आधार पर 'बारोमास' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 3)* '' 'खाना बदोश' आत्मकथा में लेखिका ने अपने दर्दे दिल की दास्तान सच्चाई और खुलेपण के साथ प्रस्तुत की है''–सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'खाना बदोश' आत्मकथा के आधार पर लेखिका के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालिए ।

*P.T.O.*

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) 'नागमंडल' नाटक के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

ख) 'नागमंडल' नाटक की रानी का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

ग) 'नागमंडल' नाटक की अभिनेयता पर प्रकाश डालिए ।

घ) 'नागमंडल' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) भारतीय साहित्य का स्वरूप ।

ख) 'बारोमास' उपन्यास का उद्देश्य ।

ग) अप्पण्णा का चरित्र चित्रण ।

घ) 'खाना बदोश' आत्मकथा का शीर्षक ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

**P3183**

# [5102]-4014

## M.A. (Part - II) (Semester - IV)

## (HINDI) हिंदी

## प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

## ख) लोकसाहित्य

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[ पूर्णांक : 50*

*सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों को समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* लोकगीतों के वर्गीकरण पद्धतियों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

लोकगाथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 2)* लोककथा का स्वरूप स्पष्ट कर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

महाराष्ट्र के लोकनाटयों का परिचय दीजिए ।

*प्रश्न 3)* प्रकीर्ण लोकसाहित्य में से मुहावरें, कहावतें और सुक्तियों का परिचय दीजिए ।

अथवा

लोकसाहित्य के कलापक्ष एवं अलंकार योजना का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए ।

क) 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति को स्पष्ट कीजिए ।

ख) लोकसाहित्य संकलन पद्धतियों पर प्रकाश डालिए ।

ग) समाज विज्ञान और मनोविज्ञान ज्ञानशाखाओं का लोकसाहित्य से परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिए ।

घ) लोकसाहित्य संकलनकर्ता की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) ज्ञानशाखा–धर्मशास्त्र ।

ख) लोकगीत – विवाह ।

ग) नौटंकी ।

घ) लोकसाहित्य का कला पक्ष–छंद –विधान ।

▽▽▽▽

Total No. of Questions : 5]

**P3183**

# [5102]-4014

## M.A. (Part - II) (Semester - IV)

## (HINDI) हिंदी

## प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

## ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

## (2013 Pattern) (Credit System)

*समय : 3 घंटे]* *[ पूर्णांक : 50*

*सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

*2) सभी प्रश्नों को समान अंक हैं ।*

---

*प्रश्न 1)* आलोचना का अर्थ एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुसंधान का तुलनात्मक विवेचन कीजिए ।

*प्रश्न 2)* अनुसंधान के घटकों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली का विवेचन कीजिए ।

*प्रश्न 3)* अनुसंधान प्रक्रिया में हस्तलेख–संकलन और अध्याय विभाजन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

अनुसंधान प्रक्रिया में सामग्री का विश्लेषण और निष्कर्ष का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

*प्रश्न 4)* निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए ।

क) अनुसंधान के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्दों पर प्रकाश डालिए ।

ख) अनुसंधान की दो परिभाषाएँ लिखिए ।

ग) अनुसंधान की विवेचन पद्धति पर प्रकाश डालिए ।

घ) अनुसंधान का स्वरूप संक्षेप में लिखिए ।

*प्रश्न 5)* निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) अनुसंधान और वस्तुनिष्ठता ।

ख) आलोचना ।

ग) अंतरविद्याशाखीय अनुसंधान ।

घ) शोध-प्रबंध लेखन में परिशिष्ट का महत्त्व ।

▽▽▽▽